सारा सच

www.
SaraSach.com

दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

◆वर्ष : 2 ◆अंक : 7 ◆ वीरवार 12 सितम्बर से 18 सितम्बर 2019 ◆पृष्ठ:8 ◆मूल्य:3 रुपए, हिजरी 1440 R.N.I. NO. DELHIN/2018/76166

सोनिया गांधी और शरद पवार की हुई मुलाकात, हो सकता है गठबंधन का ऐलान

नई दिल्ली। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गाधी और एनसीपी के नेता शरद पवार की दिल्ली में बैठक हुई। दरअसल इस साल महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में कांग्रेस किसी भी हालत में अपनी जीत दर्ज कराना चाहती हैं।

बीजेपी को हराने के लिए वह एनसपी पार्टी के साथ गठबंधन कर सकती है। कयास लगाए जा रहे हैं कि इस मुलाकात का उद्देश्य यही गठबंधन करना है।

जानकारी के मुताबिक शरद पवार और सोनिया गांधी सीट शेयरिंग पर आखिरी मुहर लगाने चाहते हैं, इसलिए ये बैठक रखी गई। संभवाना जताई जा रही है कि अगले हते इसके लिए और बैठकें भी होंगी। गौरतलब है कि ये बैठक अक्टूबर में होने वाली थी, लेकिन मंगलवार को ही इस बैठक को तय किया गया। शरद पवार इससे पहले कांग्रेस के ही नेता थे। कांग्रेस में रहते हुए वह महाराष्ट के मुख्यमंत्री भी रह चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने रक्षा मंत्रालय और .षि मंत्रालय की भी जिम्मे दारी भी संभाली है। अपने 50 साल के करियर में उन्होंने महाराष्ट्र की राजनीति में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी की नागिरकता पर सवाल उठाया, जिसके बाद पार्टी ने उन्हें निष्कासित कर दिया।

कुछ समय बाद शरद पवार ने अपनी एक अलग पार्टी बनाई, जिसका नाम उन्होंने एनसीपी रखा। इसकी नींव पी.ए. संगमा और तारिक अनवर ने शरद पवार के साथ मिलकर रखी।

एक बार फिर बीजेपी में शामिल हुए कल्याण सिंह

कहा–मेरा तन टायर नहीं है, मन रिटायर नहीं है

लखनऊ। राजस्थान के पूर्व राज्यपाल और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके कल्याण सिंह एक बार फिर भाजपा में शामिल हो गये।लगभग 87 वर्षीय कल्याण सिंह ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह की मौजूदगी में एक बार फिर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान उनके बेटे एवं एटा से सांसद राजवीर सिंह और प्रदेश के वित्त राज्यमंत्री एवं पौत्र संदीप सिंह भी मौजूद थे।कल्याण सिंह ने बाद में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि इतनी उम्र गुजर जाने के बावजूद न तो वह थके हैं और न ही उनका मन छूटा है। उन्होंने कहा, मेरा तन टायर नहीं है, मन रिटायर नहीं है।

उन्होंने कहा, मैं राजनीति को जनसेवा का सशक्त माध्यम मानता हूं।

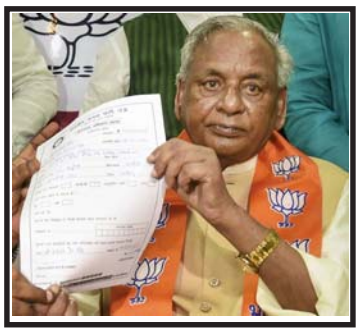

उसी भावना से मैंने फिर से सक्रिय राजनीति में प्रवेश करने का फैसला किया है। जब तक मैं राज्यपाल रहा तब तक मैंने उस पद की गरिमा का पूरा ख्याल रखा। सिंह ने एक सवाल के जवाब में कहा कि भविष्य में चुनाव लड़ने का उनका कोई इरादा नहीं है। अयोध्या में राम मंदिर के मुद्दे पर

शेष पृष्ठ चार पर

मोदी को गाय अर्थव्यवस्था की चिंता है, देश की अर्थव्यवस्था की नहीं : ओवैसी

हैदराबाद। एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र और हरियाणा के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मथुरा में 'ओम' और 'गाय' के बारे में बात की। हैदराबाद से सांसद ओवैसी ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए प्रधानमंत्री पर तंज कसा और कहा कि मोदी को 'गाय अर्थव्यवस्था' की चिंता है, देश की अर्थव्यवस्था की नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनका लक्ष्य महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड के विधानसभा चुनाव हैं। उन्होंने उसी को ध्यान में रखकर यह बोला है।

ओवैसी ने कहा कि हर भारतीय सुबह में मंदिर से 'ओम' और भजन, मस्जिद से नमाज़ तथा गुरद्वारा, गिरजाघरों तथा अन्य स्थानों से प्रार्थनाओं की आवाज सुनता है। यह भारत की खूबसूरती है। उन्होंने कहा कि मोदी को कहना चाहिए था कि यह खूबसूरती देश में हैं, जहां सभी मजहबों के लोग रहते हैं लेकिन प्रधानमंत्री ने सिर्फ एक धर्म की बात की, जो दुखद है।

सांसद ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री 'गाय अर्थव्यवस्था' से चिंतित हैं न कि देश की अर्थव्यवस्था से। जीडीपी में गिरावट आई है और वह ऐसे मुद्दों पर चर्चा नहीं चाहते हैं। ओवैसी ने कहा कि प्रधानमंत्री चाहते हैं कि देश में गरीबी और बेरोजगारी और अस्थायी छंटनी जैसे दुखदायी मुद्दों के बारे में कोई बहस न हो और उनसे लोगों का ध्यान हटा दिया जाए। उन्होंने कहा कि मोदी ने भीड़ द्वारा पीट पीटकर हत्या किए जाने की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की थी लेकिन इसका कोई असर नहीं हुआ। ओवैसी ने आरोप लगाया कि आपकी सरकार, आपकी राज्य सरकार

शेष पृष्ठ चार पर

सीएम उम्मीदवार पर बंटी एनडीए

पासवान बोले– नीतीश कुमार ही बने रहेंगे हमारा चेहरा

पटना। बिहार में भाजपा के एक नेता द्वारा 2020 के विधानसभा चुनाव बाद राजग नेतृत्व परिवर्तन का राग छेड़ने के एक दिन बाद लोजपा प्रमुख रामविलास पासवान ने कहा कि नीतीश कुमार ही राज्य में राजग का चेहरा हैं। भाजपा के बिहार विधान परिषद सदस्य संजय पासवान ने 2020 के विधानसभा चुनाव बाद राजग नेतृत्व परिवर्तन की बात की थी। इस बारे में पूछे जाने पर राजग के घटक दल लोजपा के नेता ने कहा कि नीतीश कुमार राजग का चेहरा हैं। उन्होंने उपमुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता सुशील कुमार मोदी के एक ट्वीट को भी उद्धरित करते हुए कहा कि संजय पासवान का बयान भाजपा का अधिकृत बयान नहीं है। सुशील मोदी ने ट्वीट कर कहा था कि बिहार में राजग के कप्तान नीतीश कुमार हैं और 2020 के प्रदेश के

विधानसभा चुनाव में इस गठबंधन के कप्तान बने रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीत केंद्र की वर्तमान सरकार के सौ दिन पूरे होने पर इस सरकार द्वारा किए गए कार्यों की चर्चा करते हुए रामविलास ने विपक्ष पर अल्पसंख्यक और दलित वर्ग के लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा कि हम लोग आतंकवाद को समाप्त करने में लगे हुए हैं और वे समाज के एक वर्ग को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जब इस वर्ष के शुरू में कुंभ मेला इलाहाबाद में हुआ था, तो आपको याद होगा कि प्रधानमंत्री ने पवित्र संगम में डुबकी लगाई थी और उसके बाद वह किसी मंदिर में नहीं गए थे, लेकिन सफ़ाई कर्मचारियों के पैर धोए थे। रामविलास पासवान ने कहा कि तीन तलाक पर प्रतिबंध लगाने का कानून अल्पसंख्यक महिलाओं के कल्याण को ध्यान में रखकर लाया गया। जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा को खत्म किया जाना एक राष्ट्र एक संविधान के दर्शन के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश–विदेश से जुडे हर मामले में स्वयं अगुवाई करते हैं और हमें इस बात की खुशी है कि नेतृत्व कर रहे नेता को जो पहल करनी चाहिए वह कर रहे हैं। रामविलास ने कहा कि भारत आज हर

शेष पृष्ठ चार पर

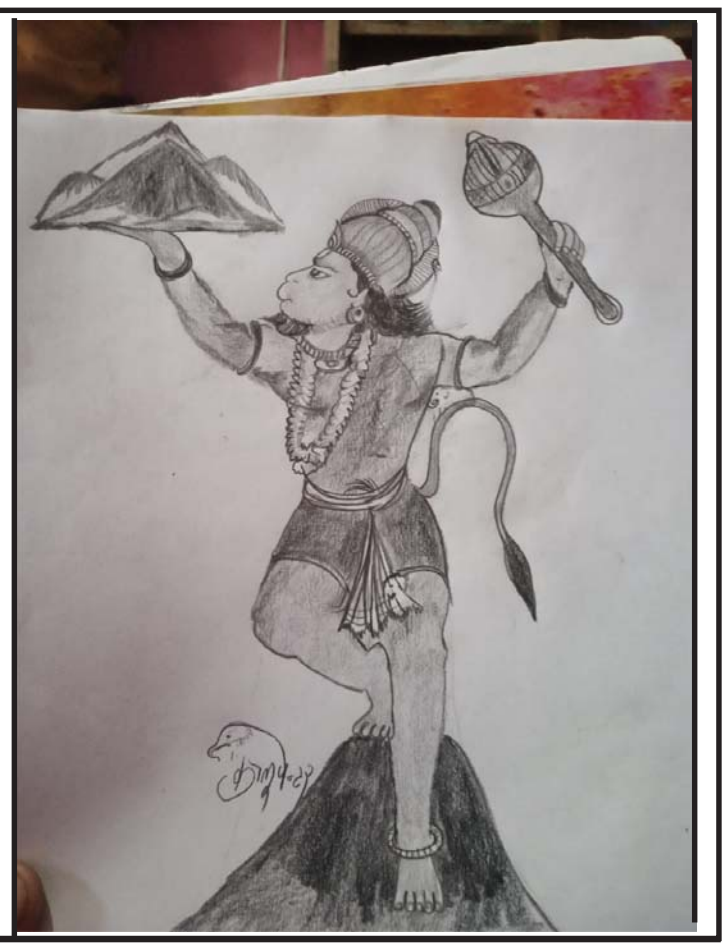

संपादकीय

&सलीम अहमद

छद्मता सामने आ ही जाती है

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मई 2019 में सम्पन्न लोकसभा तथा उससे पूर्व सम्पन्न हुए विधान सभा के चुनावों के दौरान मन्दिर मन्दिर जाकर स्वयं को हिन्दू सिद्ध करने व दिखाने की कोशिश की। वे इससे समाज को क्या संदेश देना चाहते थे? वो तो वे स्वयं ही जानें परन्तु हिन्दुओं को आकर्षित करने के वर्ष 2019 के दौरान उन्होंने कैलाश मानसरोवर की कठिन यात्रा की। बहुत से मन्दिरों में गये, जनेऊ धारण कर तथाकथित गोत्र भी रखा परन्तु वे हिन्दुओं को मनाने व रिझाने में सवर्था असफल ही रहे और थोड़ा बहुत हिन्दुओं से उनका प्रेम बचा था तो उन्होंने अनुच्छेद 370 व 35 ए का समर्थन करते हुए धो दिया।

इससे पूर्व उनके खानदानी पं. नेहरु जी स्वयं को एक्सीडेंटल हिन्दू ही मानते रहे तथा सोमनाथ मन्दिर की तरह अयोध्या में राममन्दिर पर वे सदैव ढुलमुल रवैय्या ही अपनाते रहे। गोरक्षा को वे बेकार की बात मानते रहे। हिन्दू कोड में उन्होंने रुचि ली परन्तु मुस्लिम समाज की सुधार की उन्होंने नहीं सोची। उर्दू का पक्ष लेकर हिन्दी की उपेक्षा ही करते रहे। शेख अब्दुल्ला का समर्थन करते हुए अनुच्छेद 370 को उनकी झोली में डालकर उनको जम्मू व कश्मीर के लगभग सभी अधिकार देने की कोशिश की।

नेहरु जी से पूर्व महात्मा गांधी ने मुस्लिम तुष्टिकरण किया। केरल में मुस्लिम मोपलाओं का समर्थन किया, मोहम्मद अली जिन्नाह की निरन्तर चिरौरी ही करते रहे, गोहत्या पर भी कभी कुछ विशेष नहीं बोला, भगवा झंडे की सिफारिश करने पर भी झंडा कमेटी की राय को नहीं माना, पाकिस्तान से लुटे पिटे घायल हिन्दुओं को उन्होंने पाकिस्तान में ही रहने की सलाह दी व दिल्ली में उनके लिए मस्जिदों के दरवाजे नहीं खोलने दिये तथा जो मुसलमान पाकिस्तान चले गये थे, उनको वापस भारत में लाने की कोशिश करते रहे व पाकिस्तान प्रस्थान कर रहे मुसलमानों को भी रोक लिया। बिहार में मुसलमानों को बचाने के लिए वहां पहुंच जाना, पाकिस्तान को 75 करोड़ रुपये की सहायता में से बकाया 55 करोड़ रुपये को तुरंत देने का दुराग्रह करना जबकि इस बात का बिलकुल अंदेशा था कि पाकिस्तान इस रुपये का प्रयोग भारत के विरुद्ध युद्ध लड़ने में करेगा आदि अनेकों ऐसे प्रकरण हैं जो गांधी के मुस्लिमों के प्रति प्रेम को दिखाती है। इस सबसे कांग्रेस का राजनीतिक चरित्र एक मुस्लिम तुष्टिकरण का ही उभर कर सामने आता रहा है। इसे कांग्रेस 2019 तक किसी भी तरह बाहर नहीं आ सकी। तभी वह अगस्त 5 व 6, 2019 को राज्यसभा व लोकसभा में अनुच्छेद 370 व 35 ए के उन्मूलन के लिए चल रही बहस में राहुल गांधी ने कोई हिस्सा नहीं लिया तथा एक शब्द भी वहां नहीं बोला। अगस्त 6, 2019 को प्रस्ताव पारित होते ही व राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के उपरान्त ही राहुल गांधी के बयान बाहर आने लगे और भारतीय जनता पार्टी, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विरुद्ध अनर्गल प्रचार अभियान में लग गये तो अपनी बहन प्रियंका सहित पाकिस्तान की मीडिया के सिरमौर बन गये।

अनुच्छेद 370 को हटाने को उन्होंने एक ट्वीट में मूर्खतापूर्ण कदम बताया। राहुल गांधी इससे मुसलमानों को तो खुश नहीं कर पाये, अलबत्ता हिन्दू दिखने की उनकी छद्मता को हिन्दू जरुर समझ गये और उनका चरित्र व संस्कृति भी समझ में आ गई। अतः देश के अधिकांश राज्यों में कांग्रेस की राजनीति ही अप्रासंगिक हो गयी है। लोकसभा के 2019 के चुनावों में राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस बुरी तरह चुनाव में पराजित हो गयी। इस पर उन्होंने अपनी जिम्मेदारी समझते हुए कांग्रेस के अध्यक्ष पद से त्यागपत्र देने का ड्रामा किया तथा एक डेढ़ महीने की जद्दोजहद् के बाद वापस कांग्रेस की कमान उनकी मां श्रीमती सोनिया गांधी के हाथों में आ गयी क्योंकि कांग्रेस का कोई वरिष्ठ नेता अध्यक्ष पद पर बैठने को तैयार नहीं हो सका था।

राहुल गांधी ने अपने अध्यक्षीय कार्यकाल में भारी अपरिपक्वता का ही परिचय दिया। वे राष्ट्रवाद के मुददे पर अपना रुख स्पष्ट नहीं कर पा रहे थे तथा देश में व्याप्त गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, बीमारी, अपराध, जनसंख्या वृद्धि व विस्फोट, निजीकरण आदि पर कोई स्पष्ट सोच नहीं रख पा रहे थे। 130 वर्ष पुरानी कांग्रेस आज अपनी उपादेयता निरन्तर खोती जा रही है। उसके नेताओं को न तो मुददे समझ में आ रहे हैं और न ही नवीन मुददों का निर्माण हो पा रहा है। वे वर्तमान उठाये जा रहे मुददों पर अपनी तर्कहीन प्रतिक्रिया ही दे रहे हैं। गांधी जी व नेहरु जी के सिद्धान्त व दर्शन के विपरीत दिग्विजय सिंह, मणिशंकर अययर व अधीर रंजन आदि अपनी कुंठित व अतार्किक सोच ही जनता के सामने रख रहे है जिससे वे मात्र उपहास के पात्र ही बन रहे हैं।

चुप्पी तोड़ें

यदि कोई भी सरकारी अधिकारी अपने पद का दुरूपयोग कर रहा है या कोई भी विभागीय अधिकारी आपका आर्थिक, मानसिक व शारीरिक शोषण करता है या फिर आपको किसी भी प्रकार की शिकायत है तो कृपया अपनी शिकायत/जानकारी पर हमें लिख भेजें। आपकी समस्या का समाधान किया जाएगा। आपकी इच्छानुसार आपका नाम व पहचान गुप्त रखी जाएगी।

&लिखें&

मुख्य संपादक : सलीम अहमद

सारा सच

12/596 गली नंबरः 2, वेस्ट गुरू अंगद नगर, लक्ष्मी नगर, दिल्ली-110092

E-mail : sarasach786@gmail.com

हिन्दी पंचांग का आश्विन कृष्ण पक्ष श्राद्धपक्ष कहलाता है। इन श्राद्ध पक्ष दिनों में अपने पूर्वजों के स्मृति दिवस पर श्राद्ध करके की परम्परा है। उनका स्मरण कर, उनकी शांति हेतु–तृप्ति हेतु ब्राह्मणों को भोजन कराने, दान देने की परम्परा है। माना जाता है कि इन दिनों आत्माएं पितृलोक से पृथ्वीलोक में आ जाती हैं।

विदेशों में भी अपने पूर्वजों को याद करने उनके सम्मान में विशेष आयोजन करने की परम्पराएं हैं। इनमें 15 दिन के आयोजन तो नहीं होते किन्तु पूर्वजों की आत्माओं के आगमन की तैयारी और उनके स्वागत की व्यवस्था सुरूचिपूर्ण ढंग से की जाती है। आइये जानें ऐसी ही कुछ रोचक प्रथाओं के बारे में :–

–चीन और जापान में विश्वास किया जाता है कि वर्ष में एक दिन मृतात्मा अपने घर वापस आती है। यह एक दिन बहुत महत्त्वपूर्ण माना जाता हैं।

वहां न्यौता भेज बुलायी जाती हैं आत्माएं

–इस दिन उस आत्मा के लिए घर को विशेष रूप से सजाया जाता है। उसके कमरे में पलंग भी बिछाया जाता है। उनकी अभिरूचि के पकवान और फल, मिठाई आदि थालियों में सजाकर रखे जाते हैं।

–इस कमरे में पानी की भी व्यवस्था की जाती है ताकि हाथ–मुंह धोने के लिए आयी हुई आत्मा को इससे बाहर न जाना पड़े या उसे कोई असुविधा न हो।

–खूब साफ–सफाई और विशेष सजावट की जाती है। माना जाता है कि मृतात्मा जब एक दिन के लिए घर आये तो उसे किसी भी प्रकार का कष्ट न हो।

–इतना ही नहीं, निर्धारित दिन की शाम ये लोग पूर्वजों की समाधि पर इन्हें न्यौता देने जाते हैं। थालों में व्यंजन लेकर जुलूस की शक्ल में कब्रिस्तान की ओर जाता जनसमूह एक सुन्दर दृश्य प्रस्तुत करता है।

–इनके हाथों में रंग, बिरंगी लालटेन, सजावटी लाइटस होती हैं। कब्रों पर खाने पीने का सामान, लालटेन आदि रखकर प्रार्थना करते हुए ये लोग घर वापस आ जाते हैं।

–घरों पर उत्सव होता है। सारी रात उल्लास–उमंग के बीच खानपान का दौर चलता है। इसमें रात को निर्धारित कक्ष के दरवाजे खिड़की खुले रखे जाते हैं कि न जाने किस समय मृतात्मा घर आयें।

–चीन–जापान में पूर्वजों के प्रति श्राद्ध की यह परम्परा हमारे दीपावली उत्सव जैसा दृश्य प्रस्तुत करती हैं क्योंकि इस रात विशेष लाइट्स और रंग बिरंगी लालटनों की छटा ऐसा ही समां बांधती हैं।

–इटली और जर्मनी का यह दिन वर्षा ऋतु में पड़ता है। मान्यता है कि वर्षा व आंधी पर सवार होकर मृतात्मा पृथ्वी पर अपने घर आती हैं।

–इन देशों में भी इस दिन कमरे की खिड़की दरवाजे खुले छोड़ कर आत्मा की प्रतीक्षा की जाती है। मानते हैं कि सूर्य की पहली किरण फूटते ही यह आत्माएं वापस चली जाती हैं।

–पलंग की बिछी चादर का मुड़ा होना, सिकुड़ा होना आत्मा के आगमन का संकेत मान लिया जाता है।

–यहां पर कब्रों पर रोशनी नहीं की जाती।

–वेल्स नदी तट पर यूरोप में पूर्वजों की स्मृति का त्यौहार आवागमन दिवस के रूप में मनाया जाता है।

–अमेरिका में ऐसा कुछ नहीं होता। वहां एक विशेष प्रकार का नकाब पहनकर घूमने–फिरने के बाद परिवार के लोग घरों पर जमा होकर मृत व्यक्ति की आत्मा की शान्ति की प्रार्थना करते हैं।

सारा सच के सक्रिय लेखक

अमित त्यागी	शेरकोट
शाहजहापुर, (यू.पी.)	डा. नंदलाल भारती
दीप्ति शर्मा	इंदौर, (मप्र)
आगरा (यू.पी.)	कल्पना समानी
पूनम शुक्ला	नवी मुंबई
गुड़गांव	कुंती मुखर्जी
डा. नीरज भारद्वाज	लखनऊ (यूपी)
दिल्ली	पूजा श्रीवास्तव
तुशार राज रस्तोगी	सिहोर (मप्र)
दिल्ली	शशि श्रीवास्तव
विभारानी श्रीवास्तव	नई दिल्ली
बेगुसराय (बिहार)	डा. पुरुशोत्तम मीणा
रेखा जोशी	पूर्णिमा शर्मा
फरीदाबाद	मुरादाबाद (यूपी)
भावना सिन्हा	अनमोल शर्मा
गया (बिहार)	बागपत (यूपी)
सलीमा आरिफ	के.सी. वर्मा
जकिर नगर	पटियाला
सुधा राजे	साजिद अली खुरेजी

आखिर कब तक ?

शबनम खान

1. यदि आप शासनिक स्तर पर न्याय चाहते हैं।
2. यदि आपकी पुलिस या अन्य किसी सरकारी विभाग द्वारा कोई सुनवाई नहीं हो रही है।
3. यदि कोई सरकारी अधिकारी अथवा कर्मचारी काम के बदले आपसे रिश्वत मांग रहा है।
4. यदि कोई आपका शारीरिक एवं मानसिक रूप से शोषण कर रहा है।
5. यदि आप जीवनसाथी या किसी अन्य संबंधी द्वारा प्रताड़ित किए जा रहे हैं।
6. यदि किसी कार्यरत महिला/पुरुष का कार्यालय में अन्य तरीके से शारीरिक या मानसिक रूप से शोषण हो रहा है।
7. यदि किसी बुजुर्ग को परिवार में उचित सम्मान नहीं मिल रहा है।
8. यदि किसी शिक्षण संस्थानों में छात्र अथवा छात्राओं का मानसिक या शारीरिक स्तर पर शोषण हो रहा है।
9. यदि कोई आपको बाल मजदूरी के लिए बाध्य कर रहा है।
10. यदि शिक्षण संस्थानों द्वारा आपसे डेवलपमेंट चार्ज या डोनेशन के नाम पर अवैध धन वसूला जा रहा है।
11. यदि उपभोक्ता किसी सेवा या उत्पाद से संतुष्ट नहीं है।
12. यदि सरकारी अस्पतालों या प्राइवेट अस्पतालों में आपकी देख रेख उचित रूप से नहीं हो रही है तो घबराए नहीं, सम्पर्क करें:–

Miss Shabham Khan (President)
(Human Rights Activist)
EK Koshish Aur Abhi (EkAA) N.G.O.
Dedicated to Human Rights & Social Justice
E-mail :Khanshabnam.humarightactvist@Yahoo.in
www.ekkoshishaurabhi.org

सारा सच

साप्ताहिक हिन्दी समाचार पत्र

-मुख्य सम्पादक-
सलीम अहमद
-सह संपादक-
फहमीना सिद्दीकी
शाहनवाज सिद्दीकी
-सलाहकार-
दीपक त्यागी (एडवोकेट),
प्रदीप महाजन (आईएनएस),
डा. पी एल पलटा,
मनोज कुमार खत्री
मौ. मोहसिन
-छायाकार-
सुधीर कुमार, साजिद अली
ब्यूरो/विज्ञापन प्रतिनिधि
-दिल्ली-
रविन्दर कुमार, एस सिद्दीकी,
अशफाक अली
-राजस्थान-
जयपुर-विशाल चौहान
-हिमाचल प्रदेश-
शिमला
शान मो. खान
-उत्तर प्रदेश-
आगरा-हसीब हुसैन
अलीगढ़-मो. फारूख
फिरोजाबाद-फैसल मसरूर
मुज्जफर नगर-मो. इलियास

दिल्ली के प्रदूषण में कमी के लिए आप सरकार की लोगों से अपील

नई दिल्ली । दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार ने सर्दियों में पड़ोसी राज्यों में पराली जलाए जाने से राजधानी में होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए लोगों से सुझाव मांगे हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि सर्दियों में पंजाब और हरियाणा जैसे पड़ोसी राज्यों में पराली जलाई जाती है। दिल्ली में पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण पर उनका कोई जोर नहीं है। पराली से होने वाले प्रदूषण से कैसे निपटा जाए इसे लेकर लोग 12 सितंबर तक अपने सुझाव cm4 cleanair @gmail-com पर भेज सकते हैं। उन्होंने कहा कि 20 अक्टूबर से 20 नवंबर तक के मुख्य सीजन के दौरान पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने की घटनाएं बड़ी संख्या में होती हैं।

इससे राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण के स्तर में वृद्धि होती है। केजरीवाल ने दावा किया कि पिछले तीन वर्षों में, आप सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की वजह से कुल प्रदूषण स्तर में 25 प्रतिशत की कमी आई है। दिल्ली में प्रदूषण अब 25 फीसदी तक कम हो गया है और यहां हो रही 24 घंटे बिजली सप्लाई ने इसमें बेहद अहम रोल अदा किया है। इसके साथ ही ईस्टर्न पेरिपफेरल–वे और वेस्ट पेरिपफेरल–वे और दिल्ली में एंट्री पर पर्यावरण कर के रूप में भारी शुल्क लगाने से भी इसमें फर्क आया है। उन्होंने कहा कि इसके चलते 30 फीसदी ट्रकों की दिल्ली में एंट्री कम हुई है जिससे दिल्ली में करीब 7 फीसदी प्रदूषण घटा है।केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड और सेंट्रल प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के अनुसार पिछले 3 सालों में प्रदूषण में भारी कमी आई है। दुनिया के टाप के 10 सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में जो टाप के दो शहर हैं वह गुड़गांव और गाजियाबाद आते हैं। 2015 में जब हमारी सरकार बनी थी तो कुछ इस तरह थी। मैं आज खुशखबरी देना चाहता हूं कि कई सालों के बाद पहली बार प्रदूषण बढ़ने की बजाय कम होना शुरू हो गया है।

कुमारी शैलजा हरियाणा कांग्रेस की अध्यक्ष बनीं

नई दिल्ली । हरियाणा विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस ने पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी शैलजा को प्रदेश इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया है। वहीं, कुछ दिनों से बगावती तेवर अपना रहे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को विधायक दल का नेता बनाया गया है। उन्हें विधानसभा चुनाव प्रबंधन की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। केंद्रीय नेतृत्व के इस फैसले को प्रदेश इकाई में गुटबाजी को थामने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

हरियाणा कांग्रेस के प्रभारी गुलाम नबी आजाद और संगठन प्रभारी केसी वेणुगोपाल ने नई नियुक्तियों की घोषणा की। आजाद ने कहा कि इस ऐलान के बाद सभी पुरानी बातें खत्म हो गई हैं। यह भविष्य की शुरुआत है। दरअसल, हुड्डा ने रोहतक में रैली कर पार्टी पर ही निशाना साधा था।

पार्टी मुख्यालय में गुलाम नबी आजाद ने माना कि हरियाणा में विधानसभा चुनाव को देखते हुए नियुक्तियों में देरी हुई है।

उन्होंने कहा कि कुमारी शैलजा, भूपेंद्र सिंह हुड्डा और अन्य नेता मिलकर भाजपा सरकार का मुकाबला करेंगे। शैलजा मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष अशोक तंवर और हुड्डा कांग्रेस विधायक दल की नेता किरण चौधरी की जगह लेंगे।कांग्रेस हाईकमान के इस निर्णय से हरियाणा कांग्रेस में भूपेंद्र सिंह हुड्डा का कद बढ़ा है। उन्हें विधायक दल का नेता बनाने से साफ हो गया है कि विधानसभा चुनाव में टिकट बंटवारे में उनकी भूमिका अहम होगी। क्योंकि, टिकट तय करने वाली समितियों में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष व विधायक दल के नेता सदस्य के तौर पर शामिल होते हैं।

बीजेपी की अहम बैठक, चर्चा में रहा सीएम उम्मीदवार का मुद्दा

नई दिल्ली । दिल्ली विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बीजेपी ने भी अपनी तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी ने एक अहम बैठक की। जिसमें दिल्ली बीजेपी के चुनाव प्रभारी प्रकाश जावड़ेकर, सह प्रभारी हरदीप सिंह पुरी, नित्यानंद राय और राज्य बीजेपी के अन्य नेता शामिल हुए। बैठक में चुनाव की तैयारी को लेकर अहम चर्चा हुई।

दिल्ली में 14 जिले हैं। पश्चिमी दिल्ली जिला कार्यकर्ताओं के साथ प्रकाश जावड़ेकर ने बैठक की। बैठक में जिलों के जिलाध्यक्ष, प्रभारी, सांसद, निगम पार्षद शामिल हुए। सूत्रों के मुताबिक कई मुद्दों पर चर्चा हुई। वहीं पार्टी का सीएम चेहरा कौन होगा? यह विषय भी पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच चर्चा में रहा।

कार्यकर्ताओं की मांग रही कि सीएम उम्मीदवार एक क्रेडिबल इमेज वाला शख्स हो और मास लीडर हो। इस मुद्दे को लेकर जावड़ेकर ने कहा कि कार्यकर्ताओं की बात को नोट किया गया है।

इसके अलावा बीजेपी कार्यकर्ताओं ने केजरीवाल सरकार के फ्री बीज स्कीम पर चिंता जताई, साथ ही ये भी कहा कि केंद्र सरकार को भी दिल्ली को लेकर कोई बड़ा ऐलान करना चाहिए, जैसे अनाधिकृत कॉलोनियों को लेकर बड़ा ऐलान हुआ। इस पर प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि मामले को ब्रीफ किया जाएगा।

साथ ही ये भी सलाह दी कि अनाधिकृत कॉलोनियों को लेकर पार्टी मीडिया को कोई बयान ना दे। बीजेपी में बैठकों का दौर जारी है। हर दिन चुनाव प्रभारी 2 जिलों के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर पार्टी की तैयारी की समीक्षा करेंगे।

डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया से बचाव के लिए
पावर स्प्रे टेंकर से दवाई का छिड़काव

उत्तर पूर्वी दिल्ली । पूर्वी दिल्ली नगर निगम के अनारकली वार्ड न. 22ई में निगम पार्षद श्रीमति रेखा दीक्षित द्वारा डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया से बचाव के लिए पावर स्प्रे टेंकर द्वारा वार्ड में दवाई का छिडकाव करवाया गया। निगम पार्षद रेखा दीक्षित का कहना था कि मेरे वार्ड के बड़े नाला रोड पर बरसात के मौसम में स्थानीय लोगों द्वारा मच्छरों की काफी शिकायत आ रही थी जिसे देखते हुए मैने तुरंत उप–स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अजय कुमार से इसकी शिकायत की। डा. अजय कुमार ने समस्या की गंभीरता को देखते हुए ही मेरे वार्ड में पावर स्प्रे टेंकर से वार्ड में दवाई का छिड़काव करवाया। इस मौके पर स्थानीय निगम पार्षद रेखा दीक्षित के साथ मलेरिया निरीक्षक भूले राम शर्मा, सपफाई निरीक्षक प्रविन्द्र शर्मा, रवि कुमार, विचित्रसिंह, लखन सिंह कठैत, प्रवीण दीक्षित, प्रितपाल सिंह, विकास गुलाटी, मंजू गुप्ता, उमा खन्ना, अमृत शर्मा, सभी पदाधिकारी एवंम क्षेत्रीय गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

सारा सच

सारा सच एक जरिया है दुनिया की सबसे बड़ी प्रसिद्ध सोशल नेटवर्किंग साइट पर अपने कारोबार को बड़े लेवल पर बढ़ाने के लिए सारा सच अखबार/वेबसाइट में विज्ञापन देकर अपनी पब्लिसिटी करवाएं । क्योंकि सारा सच ने इन पर अपनी प्रोफाइल/आईडी बनाकर अपनी पहचान बनाई है और लोगों को अपने साथ जोड़कर हमेशा अपडेट रहता है।

सम्पर्क करें : +91&999&000&7067

E-mail : sarasach786@Gmail.com

JOIN-US Facebook Google Plus

नई दिल्ली में रत्न–आभूषण के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए हुए सेमिनार आयोजित

नई दिल्ली । जीजेईपीसी, क्षेत्रीय कार्यालय – दिल्ली ने मेट्रोपोलिटन होटल, नई दिल्ली में रत्न और आभूषण वस्तुओं के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए पुनः निर्यात किए गए सामानों के आयात और आगे बढ़ने के तरीके पर पुनःपूर्ति योजना और गैर–भुगतान जैसे प्रमुख नीतिगत मुद्दों के समाधान पर एक इंटरएक्टिव सेमिनार का आयोजन किया।

श्रीमती रुपा दत्ता, आर्थिक सलाहकार– वाणिज्य विभाग मनीष कुमार– आयुक्त नई दिल्ली एयरपोर्ट ;सेंथिल नाथन– उप सचिव, वाणिज्य विभाग और प्रमोद अग्रवाल– राष्ट्रीय अध्यक्ष, जीजेईपीसी, एवं अशोक सेठ, क्षेत्रीय अध्यक्ष संगोष्ठी में उपस्थित थे।शुरुआत में, अशोक सेठ– क्षेत्रीय अध्यक्ष उत्तर ने सभी सरकारी गणमान्य व्यक्तियों, राष्ट्रीय अध्यक्ष और व्यापार बिरादरी का स्वागत किया। उन्होंने प्रमुख नीतिगत मुद्दों को हल करने के लिए जो क्षेत्र के विकास में बाधा बन रहे थे वाणिज्य विभाग के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल ने माननीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री, वाणिज्य सचिव, डीजीएफटी, सुश्री रूपा दत्ता, सेंथिल नाथन और वाणिज्य विभाग के अन्य अधिकारियों का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इन महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित किया और इसे सफल बनाया। उन्होंने सरकार को आश्वासन दिया कि उद्योग अब निर्यात को बढ़ावा देने, रोजगार पैदा करने और एमएसएमई खंड को मजबूत करने की दिशा में काम करेगा।

Chetan Srivastava
98100 63006, 93100 63006
kaagzaat
कागज़ात
a complete property Documentation point
DDC
DELHI DOCUMENTATION CENTRE
Specialists in : Drafting & Registration of documents for Free Hold, Lease Hold, Commercial, Industrial, DDA, L&DO Society Properties & Flats wih Computer Processing & Manual Typing
LEASE HOLD TO FREE HOLD A SPECIALITY
Off : UG-28 Suneja Tower-I Distt. Centre Janak Puri, New Delhi-58 Ph : 2554 1618, 2561 7461
Br. Off :- Shop No.2 S-2/100 Old Mahavir Nagar, Near Mangla Hospital, New Delhi-18

राष्ट्र की आत्मा से छल है विदेशी भाषा की गुलामी

किसी भी भाषा का ज्ञान व्यक्ति के व्यक्तिगत विकास एवं योग्यता के लिए आवश्यक है लेकिन केवल भाषायी जानकारी ज्ञान का पर्यायवाची नहीं हो सकती। कोई भी जीवन्त समाज अपनी भाषा के बिना तरक्की नहीं कर सकता। आयातित सामान और स्वयं विकसित सुविधाओं के अंतर को समझकर ही हम भाषा के महत्त्व को समझ सकते हैं। वैश्विक स्तर पर यह सिद्ध है कि हिन्दी अपनी देवनागरी लिपि और ध्वन्यात्मकता (उच्चारण) के लिहाज से सबसे शुद्ध और विज्ञान सम्मत भाषा है। हमारे यहाँ एक अक्षर से एक ही ध्वनि निकलती है और एक बिंदु (अनुस्वार) का भी अपना महत्त्व है।

भारत में अनेक भाषाएं एवं बोलियां हैं लेकिन उसके बावजूद लगभग हर शहर–कस्बे में अंग्रेजी में लिखे बोर्ड आखिर गुलाम मानसिकता के अतिरिक्त क्या हैं? क्या उपरोक्त चित्रा प्रमाण नहीं हैं कि 'दिनदहाड़े हम निज भाषा गौरव रसातल की ओर ले जा रहे हैं।' विचारणीय हैं कि आखिर क्यों अंग्रेजी माध्यम स्कूल फले–फूले? सर्वथा अनजान भाषा के कारण छोटे–छोटे बच्चों के लिए शिक्षा मानसिकता विकास की बजाय बोझ बन गई है। हम जानबूझ कर अनजान बने हुए हैं कि मातृभाषा में शिक्षा ग्रहण करने वाला बच्चा तेजी से आगे बढ़ता है। उसका ज्ञान वास्तविक होता है जबकि अंग्रेजी का झुनझुना बजाने वाले बच्चे 'तोता रटन्ट' करते हैं। ये बेबस बच्चे दोहरे बोझ से दबते हैं शिक्षा ग्रहण करना और पराई भाषा सीखना। अंग्रेजी को वैश्विक भाषा बताने वाले इसे अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाये हुए हैं।

हम इस बात पर क्यों मौन रहते है कि तुर्की के कमाल अतातुर्क पाशा बिना कोई विलम्ब किये अगले दिन से तुर्की का सारा राजकाज तुर्की भाषा में करने का आदेश दे सकते हैं। इजराइल अपने गठन के तुरन्त बाद 'हिब्रू' को अपनी राजभाषा घोषित कर सकता है जबकि नब्बे प्रतिशत से अधिक यहूदी हिब्रू जानते ही नहीं थे। राष्ट्रीयता की प्रबल भावना को जागृत करने में अपनी भाषा के महत्त्व को स्वीकार करने वाले नेतृत्व की दृढ़ इच्छाशक्ति ने वहां का इतिहास बदल दिया। दूसरी ओर स्वतंत्रता के 71 वर्ष बाद जब इजराइल के विपरीत हमारे देश के अधिसंख्यक लोग हिन्दी बोल, लिख अथवा समझ सकते हैं हम 'किन्तु, परन्तु' से मुक्त नहीं हो सके हैं। मात्रा दो–ढाई प्रतिशत लोगों की भाषा अंग्रेजी का प्रशासन से शिक्षा और न्याय तक हावी होना राष्ट्रीय शर्म का विषय है। वैज्ञानिक, प्रौद्योगिक, व्यावसायिक जितनी पुस्तकें, पत्रिकाएँ अंग्रेजी में उपलब्ध होना इसी षड़यंत्र का परिणाम है। अंग्रेजी को विश्व भाषा बताने वाले समझने को तैयार नहीं हैं कि रूस ,जर्मनी, फ्रांस, जापान, चीन, सहित विश्व के अनेक ऐसे देश हैं जिन्होंने अंग्रेजी के बिना उन्नति की है। स्वतंत्रता आंदोलन में सभी नेता हिन्दी के महत्त्व को स्वीकारते रहे हैं। बंगाल के महान समाज सुधारक राजा राम–मोहन राय के बाद 1875 में बंगाल के ही केशव चन्द्र सेन ने हिन्दी की अनिवार्यता पर बल दिया था। 1850 में एक अंग्रेज विद्वान ने लिखा था कि गुजरात से इरावती तक तथा हिमालय से कन्याकुमारी तक लोग हिन्दुस्तानी समझते हैं। फादर कामिल बुल्के के अनुसार, 'अफगानिस्तान के हेरात' प्रान्त में भी हिन्दी से काम चल सकता है।'

ऐसे में विचारणीय है कि आखिर भारतीय भाषाओं पर विदेशी भाषा क्यों हावी हो रही है। किसी भी भाषा के बढ़ने के कारकों में एक महत्त्वपूर्ण कारक है कि क्या उस भाषा का प्रत्यक्ष लाभ जीविका मिलने में है। आज भारतीय भाषाओं को दरकिनार कर जीविका को अंग्रेजी भाषा का आश्रित बनाकर हमें मानसिक तौर पर गुलाम बनाया जा रहा है। यहां हमारा यह अभिप्राय हर्गिज नहीं कि अंग्रेजी का ज्ञान कतई नहीं होना चाहिए लेकिन अपनी मातृभाषा और राष्ट्रभाषा की कीमत पर हर्गिज नहीं।

किसी भी भाषा का ज्ञान व्यक्ति के व्यक्तिगत विकास एवं योग्यता के लिए आवश्यक है लेकिन केवल भाषायी जानकारी ज्ञान का पर्यायवाची नहीं हो सकती। कोई भी जीवन्त समाज अपनी भाषा के बिना तरक्की नहीं कर सकता। आयातित सामान और स्वयं विकसित सुविधाओं के अंतर को समझकर ही हम भाषा के महत्त्व को समझ सकते हैं। वैश्विक स्तर पर यह सिद्ध है कि हिन्दी अपनी देवनागरी लिपि और ध्वन्यात्मकता (उच्चारण) के लिहाज से सबसे शुद्ध और विज्ञान सम्मत भाषा है। हमारे यहाँ एक अक्षर से एक ही ध्वनि निकलती है और एक बिंदु (अनुस्वार) का भी अपना महत्त्व है। दूसरी भाषाओं में यह वैज्ञानिकता नहीं पाई जाती। तथाकथित वैश्विक भाषा अंग्रेजी को ही देखें। वहाँ एक ही ध्वनि के लिए अनेक अक्षर उपयोग में लाए जाते हैं जिन्हें एक बच्चे के लिए याद रखना काफी कठिन है। इसके बावजूद हम अपने छोटे–छोटे बच्चों पर अवैज्ञानिक, अनियमित और अव्यवस्थित अंग्रेजी थोप रहे हैं। अंग्रेजी के मारे ये बच्चे न तो अंग्रेजी और न ही हिन्दी सीख पाते हैं। अंग्रेजी का रट्टा मारकर और वन टू टेन की गिनती दोहराने वाले हिन्दी में गिनती भी नहीं जानते जबकि हिन्दी भाषा सीखने वाले किसी रूसी या जापानी छात्रा को जरूर आती होगी। विज्ञान तथा तकनीकी विषय अपनी भाषाओं में क्यों नहीं पढ़ाए जाते हैं? क्या वैज्ञानिक, प्रौद्योगिक, व्यावसायिक जितनी पुस्तकें, पत्रिकाएँ अंग्रेजी में ही उपलब्ध होना षड़यंत्रा का परिणाम नहीं है? भारत में अंग्रेजी एक विदेशी भाषा के रूप में पढ़ाई जानी चाहिए न कि शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी हो। शासन से न्याय तक अंग्रेजी हो। यदि भारत को उन्नत देशों की कतार में शामिल करना है तो अंग्रेजी को अतिथि माने, गृहस्वामिनी नहीं।

जरूरत है वोट मांगते हुए हिन्दी और संसद में जाकर अंग्रेजी का लबादा ओढ़ने वाले दोगले नेताओं को सबक सिखाने का संकल्प लेना होगा। आखिर हिन्दी व अन्य भारतीय भाषाओं को प्रशासनिक सेवाओं के लिए महत्त्वहीन बनाने वाला एक भी व्यक्ति संसद में क्यों पहुंचे? यदि हम ऐसा कर सके तो ग्राम पंचायत से देश की सबसे बड़ी पंचायत तक हिन्दी और भारतीय भाषाओं के अपमान का दुस्साहस कोई न कर सकता।

14 सितम्बर को हिन्दी दिवस या हिन्दी पखवाड़ा मनाना पर्याप्त नहीं है। हिन्दी को प्रशासन से लोक व्यवहार की भाषा बनाने के लिए सशक्त जनआंदोलन की आवश्यकता है। हमें अपने शासकों से पूछना होगा कि यदि अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव पर्ची हिन्दी में हो सकते हैं तो भारत की राजधानी दिल्ली में ड्राइविंग लाइसेंस में एक भी शब्द हिन्दी में क्यों नहीं? अधिसंख्यक सरकारी कामकाज अंग्रेजी में ही क्यों? अंग्रेजी को श्रेष्ठ समझने वाली मानसिकता का बहिष्कार कर हम भारतीयों को आपस में हिन्दी या भारतीय भाषा में बात करने की ओर बढ़ना होगा वरना अगली पीढ़ी अपनी मातृभाषा भूल जाएगी।

आखिर आप, मैं, वे, ये, सब जानते और मानते हैं कि अभ्यास से कोई भी व्यवहार मजबूत होता है तो कम अभ्यास से वह कमजोर होता है। भाषा भी इसका अपवाद नहीं है। यदि आप हिन्दी और भारतीय भाषाओं का हित चाहते हैं तो आओ संकल्प लें कि आज से किसी भी ऐसे कार्यक्रम में नहीं जाएंगे जिसका निमंत्राण पत्रा गुलामी की भाषा में होगा और न ही स्वयं ऐसा निमंत्राण पत्रा छपवायेंगे। केवल बातें नहीं, कुछ असली करने की बेला है। यदि हम ऐसे संकल्प के लिए तैयार हैं तो हिन्दी का भविष्य उज्ज्वल है। हमारी संस्कृति और राष्ट्रीयता को कोई खतरा नहीं। !' जय हिन्द! जय हिन्दी!! जय देवनागरी!!!

बदले की भावना के तहत सीएम अमरिंदर कर रहे कार्रवाई: सिमरजीत सिंह बैंस

लुधियाना के आतम नगर के विधायक बैंस ने कहा कि मेरे खिलाफ मामला डीसी या एसडीएम की शिकायत पर दर्ज नहीं किया गया है बल्कि यह अमरिंदर सिंह की शह पर कराया गया है

चंडीगढ़। पंजाब के गुरदासपुर जिले के बटाला में सरकारी अधिकारियों के काम में बाधा पहुंचाने के आरोप में मामले का सामना कर रहे निर्दलीय विधायक सिमरजीत सिंह बैंस ने मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह पर उनके खिलाफ राजनीतिक बदले की भावना से कार्रवाई करने का आरोप लगाया।

लोक इंसाफ पार्टी प्रमुख बैंस ने कहा कि उनके खिलाफ जो आपराधिक मामले दर्ज किया गया है उसके पीछे मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह का हाथ है क्योंकि लुधियाना सिटी सेंटर घोटाले के सिलसिले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की मामले को बंद करने संबंधी रिपोर्ट को उन्होंने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। इस मामले में सिंह और उनके परिवार के सदस्यों की कथित संलिप्तता है।

पंजाब पुलिस ने गुरदासपुर के उपायुक्त विपुल उज्ज्वल के खिलाफ वहां के सदर अस्पताल में सार्वजनिक तौर पर अपशब्दों का इस्तेमाल करने के आरोप में बैंस के खिलाफ रविवार को मामल दर्ज किया था। यह मामला बटाला विस्फोट में शिकार हुए व्यक्ति के शव की पहचान को लेकर हुआ था। इसका वीडियो वायरल भी हुआ था। वीडियो में बैंस उस समय उपायुक्त पर चिल्लाते हुए दिख रहे हैं जब अधिकारी शव की पहचान के संबंध में कुछ भ्रमों को दूर करने की कोशिश कर रहे थे। लुधियाना के आतम नगर के विधायक बैंस ने कहा कि मेरे खिलाफ मामला डीसी या एसडीएम की शिकायत पर दर्ज नहीं किया गया है बल्कि यह अमरिंदर सिंह की शह पर कराया गया है क्योंकि लुधियाना सिटी सेंटर घोटाले के मामले में सतर्कता ब्यूरो की मामले को बंद करने की रिपोर्ट को मैने उच्च न्यायालय में चुनौती दी है।

उन्होंने कहा कि यह राजनीतिक बदला है। वह मेरी आवाज को दबाना चाहते हैं। मुझे मुख्यमंत्री से कोई डर नहीं है। यह फर्जी मामला है। मैं जेल जाने से भी नहीं डरता हूं। बैंस ने कहा कि वह चाहे मुझे 100 मामले में फंसा दें लेकिन मैं सिटी सेंटर घोटाला मामले को तब तक उठाता रहूंगा जब तक यह किसी नतीजे पर पर नहीं पहुंच जाता है। मैं उच्चतम न्यायालय भी जाऊंगा। बैंस ने कहा कि गुरदासपुर के उपायुक्त के खिलाफ उन्होंने कभी अपशब्दों का इस्तेमाल नहीं किया।

उज्ज्वल ने बल्कि मुझसे पूछा कि मैने इस कमरे में प्रवेश क्यों किया है। बैंस के अनुसार उपायुक्त ने उनसे कहा कि किसने आपको कमरे में भेजा है, बाहर जाइये।

लुधियाना के विधायक एवं उनके 20 अज्ञात सहयोगियों के खिलाफ पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

प्रथम पृष्ठ के शेष

एक बार फिर...

पूछे गये सवाल पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि राम मंदिर का निर्माण करोड़ों लोगों की आस्था का प्रश्न है। जितनी पार्टियां हैं, वे जनता के सामने अपना मत स्पष्ट करें कि वे राम मंदिर के निर्माण के पक्ष में हैं या फिर उसके विरोध में।श्श

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। जब से योगी ने गद्दी सम्भाली है तब से गांव, गरीब की स्थिति में बड़ा फर्क आया है। खुशहाली बढ़ी है।कभी भाजपा के छत्रप माने जाने वाले सिंह ने करीब पांच साल पहले राजस्थान का राज्यपाल बनने के बाद भाजपा से त्यागपत्र दे दिया था।

मोदी को गाय...

पीड़ित के लिए न्याय सुनिश्चित करने के बजाय अत्याचारी के साथ खड़ी है। वह झारखंड में भीड द्वारा तबरेज अंसारी की जान लेने के मामले में 11 आरोपियों के खिलाफ पुलिस की ओर से हत्या की धारा हटाने का हवाला दे रहे थे। एआईएमआईएम के प्रमुख ने कहा कि वह जानते हैं कि हिन्दू भाइयों के लिए गाय आस्था का मामला है लेकिन संविधान में जीने का अधिकार मनुष्यों के लिए है।

पासवान बोले- नीतीश कुमार...

मामले में पहल कर रहा है और हमारे पडोसी देश (पाकिस्तान) को मुंह की खानी पड रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने न खाएंगे और न खाने देंगे की बात करते हुए प्रथम चरण में भ्रष्टाचार पर वार किया तथा भ्रष्ट लोगों के खिलाफ शिकंजा कसा जा रहा है। अब उनका नारा है 'न सोएंगे और न सोने देंगे' तो खुद भी दिन रात काम करते रहते हैं और सभी मंत्रालयों को काम में लगाए रहते हैं। रामविलास ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से प्रगति कर रहा है और विदेश में भारत का सम्मान बढ़ा है। प्याज की बढ़ती कीमतों के बारे में पूछे जाने पर केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री रामविलास ने कहा कि इससे जूझ रहे राज्य नैफेड जैसे राष्ट्रीय निकायों की मदद से सब्जी को पर्याप्त मात्रा में स्टॉक कर समस्या से निपट सकते हैं।

अच्छी नींद स्वास्थ्य के लिए आवश्यक

आज के इस बदलते वक्त में लोग भागमभागी की वजह से ना तो अपने परिवार से और ना ही अपने आप के साथ सही तरीके से वक्त बिता पाते हैं। जिसके कारण उन्हें कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ जाता है। जिसमें सबसे अहम है नींद कम ले पाना। नींद को मन तथा शरीर के आराम की एक प्राकृतिक अवस्था के तौर पर परिभाषित किया जाता है जिसमें आंखें आमतौर पर बंद होती हैं और हमारी चेतना पूर्णतया या आंशिक रूप से गुम हो जाती है ताकि हमारी शारीरिक गतिविधि में और बाहरी उत्तेजनाओं के प्रति हमारी प्रतिक्रिया में कमी आ सके। और यही आजकल लोग नहीं कर पाते हैं। आइए जानते कुछ तथ्य।

कम अवधि वाली या अनिद्रा की गंभीर अवस्था से ब्लड प्रेशर, स्ट्रैस हार्मोन्स, दिन के समय नींद आना, थकान होना, सिरदर्द होना तथा कार्यस्थल पर रचनात्मकता में कमी आ सकती है। गंभीर नींद की कमी से ग्लूकोज टालरैंस में गड़बड़ हो सकती है जो आगे चल कर डायबिटीज का कारण बन सकती है। घटिया नींद के कई दुष्प्रभावों में से यह भी है कि शरीर उच्च कैलोरीज, हाई कार्बोहाईड्रेट्स वाले खाद्यों की मांग करता है। इसकी यह जानने की क्षमता बाधित हो जाती है कि इसने पर्याप्त खाना खा लिया है या नहीं। ये लक्षण आगे चल कर बिना बताए वजन बढने का कारण बन सकते हैं। नैशनल इंस्टीयूट आफ हैल्थ, अमेरिका के वैज्ञानिकों के शोध के मुताबिक स्वस्थ वयस्क व्यक्तियों को रात के समय 7 से 8 घंटे ही नींद चाहिए। यकीनन हम में से हर कोई रात को अच्छी नींद लेना पसंद करेगा परंतु कुछ निर्धारित कारक इस प्रक्रिया में बाधा बनते हैं। नींद में बाधा पैदा करने वाला एक सामान्य लक्षण है स्लीप एप्निया। कई बार पत्नी इस बात की शिकायत करती है कि उसकी नींद में इसलिए बाधा उत्पन्न होती है क्योंकि उसका पति खर्राटे लेता है।

जब खर्राटे लिए जाते हैं तो यह अक्सर स्लीप एप्निया का लक्षण होता है। व्यक्ति को इस बात का आभास तक नहीं होता कि उसको सांस लेने में मुश्किल आ रही है। ऐसे लोग अक्सर अधिक वजन वाले और मोटे होते हैं। एक प्रश्नोत्तरी में बताया गया हैकि चाहे उन्होंने पर्याप्त घंटों तक नींद ली फिर भी वे प्रैश नहीं उठे। उन्हें दिन भर जम्हाइयां आती रहीं और वे हमेशा थके–थके रहे। दिमाग के मध्य में स्थित पाइनियल ग्लैंड अंधेरे में या मध्यम रोशनी वाले क्षेत्र में होने पर मैलाटोनिन नामक नींद बढ़ाने वाला एक हार्मोन छोड़ता है। हम में से अधिकांश लोग अपना फोन, आईपैड, डिजिटल क्लॉक तथा टैलीविजन अपने नजदीक रख कर सोते हैं। यह कोई अच्छी बात नहीं है। नीली रोशनी की शॉर्ट वेव्स नींद में बाधा पैदा करती है इसलिए बढिया यही है कि सोने से पहले आप ऐसे उपकरण या तो बंद कर दें या उन्हें ढक दें ताकि उनमें से निकलने वाली रोशनी आपकी नींद में किसी प्रकार की रूकावट पैदा ना करे। इसलिए सोने से 3–4 घंटे पहले इसे नहीं किया जाना चाहिए।

नींद में गड़बड़ी का एक अन्य कारण है जैट लैग। हमारे शरीर की जैविक घड़ी रोशनी, तापमान, हार्मोन्स इत्यादि के प्रति हमारी प्रतिक्रिया में नींद के आने तथा नींद से जागने की सामान्य गतिविधि को नियंत्रित करती है।

इन गतिविधियों में परिवर्तनों से लोग तब नींद लेते हैं जब उन्हें जागने की जरूरत होती है। यही कारण है कि जब हम टाइम जोन पार करते हैं तो हमें जैट लैग का अनुभव होता है। अपने शरीर की जैविक घड़ी को सैट रखने के लिए मैलाटोनिन सप्लीमैंट्स का इस्तेमाल किया जा सकता है। नींद में थोड़ी–सी कमी से भी किसी के सही सोचने की क्षमता प्रभावित हो सकती है और साथ ही प्रतिक्रिया देने का समय धीमा हो सकता है। नींद का अभाव हमारी रोग–प्रतिरोधक क्षमता और यहां तक कि हृदय के स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर सकता है।

सब्जियां से बढ़ती है शरीर की प्रतिरोधाक क्षमता

फोलेट यानी विटामिन बी कॉम्प्लेक्स की भरपूर मात्रा वाली सब्जियों जैसे पालक आदि के सेवन से स्तन कैंसर, त्वचा तथा फेफड़ों के कैंसर का खतरा कम होता है. ल्यूटिन की वजह से बढ़ती उम्र के साथ साथ मांसपेशियों के क्षरण (एज रिलेटेड मस्क्युलर डीजनरेशन. एएमडी) की प्रक्रिया धीमी हो जाती है।एएमडी के कारण ही उम्र के साथ नेत्रहीनता बढ़ती है।फोलेट जन्म से होने वाली विकृतियों को रोकता है। यह डीएनए के डुप्लीकेशन और उसकी मरम्मत के लिए भी जरूरी है। अगर डीएनए की मरम्मत नहीं हुई और कोशिकाएं क्षतिग्रस्त होती रहीं तो कैंसर हो सकता है। फोलेट का भरपूर मात्रा में सेवन कोलोन यानी गुदा में पॉलिप का खतरा भी घटाता है। ये पॉलिप ही गुदा के कैंसर का कारण होते हैं। महिलाओं में फोलेट की कम मात्रा की वजह से स्तन कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है।आहार विशेषज्ञ के अनुसार मटर जैसी कुछ सब्जियों में बहुत कम कैलोरी होती है। इसमें आयरन, कॉपर, जिंक और मैगनीज, घुलनशील और अघुलनशील फाइबर, विटामिन सी यानी एस्कॉर्बिक एसिड आदि होते हैं जिससे शरीर की प्रतिरोधाक क्षमता बढ़ती है। इसमें विटामिन के भी होता है। अल्झाइमर के मरीजों में तंत्रिका संबंधी क्षति विटामिन के से सीमित की जा सकती है। शिमला मिर्च में सेहत के लिए उपयोगी कैरोटिनाएड, प्रोटीन, वसा, विटामिन ए, विटामिन सी, कैप्सीनॉयड ओलेरेजिन, प्रोविटामिन और स्टीरॉयडल एल्केलॉयडल ग्लाइकोसाइड्स होते हैं. आंखों की रोशनी और चिकनी त्वचा के लिए फायदेमंद समझी जाने वाली शिमला मिर्च से घाव भरने और रक्तचाप कम करने में भी मदद मिलती है।

टैबलेट खरीदना चाहते हैं तो एक बार इन्हें भी देखें

यदि आप टैबलेट खरीदने की योजना बना रहे हैं तो एक बार अमेजन, नेक्सास, लेनवो और माइक्रोसॉट के टैबलेट पर भी विचार कर सकते हैं। आइए जानते हैं इनकी खूबियां...

अमेजन फायर एचडी: जो लोग टैबलेट से गेम खेलने के अलावा और भी कई काम करना चाहते हैं तो एक बार अमेजन के फायर एचडी टैबलेट को जरूर देखें। यह उत्पााद काफी क्रिएटिव और प्रोडक्टिव है। बैटरी लाइफ के हिसाब से अमेजन के टैबलेट अपनी अलग ही पहचान रखते हैं।

नेक्सटस 9: नेक्सटस 9 गूगल का बेहतरीन टैबलेट है। एंड्रॉयड के सर्वोत्त उपयोग के लिए इससे बेहतर कोई टैबलेट नहीं हो सकता है। मल्टीप टास्किंग के लिए यह काफी उपयोगी है तथा इसमें वीडियो देखने का भी बिलकुल अलग अनुभव है। अच्छेट प्रोसेसर की वजह से यह काफी तेज प्रोसेसिंग करता है। हालांकि इसमें एक ही कमी है और वो है एसडी कार्ड के एक्ससपेंशन स्लॉ ट का न होना।

लेनवो योगा टैबलेट2 प्रो : इस टैबलेट को एंटरटेनमेंट के लिए बनाया गया है। इसे आप दीवार पर छोटे टीवी की तरह इस्तेरमाल कर सकते हैं या फिर टेबल पर रखकर भी उपयोग किया जा सकता है। इसमें क्यूपएचडी स्क्रीईन दी गई है, जिससे आपको बेहतरीन पिक्चार और वीडियो क्वाकलिटी मिलती है। इसमें एक इंटीग्रेटेड प्रोजेक्टसर भी लगाया गया है, ताकि आप इसे मिनी सिनेमा की तरह उपयोग कर सकें।

माइक्रोसॉट सरफेस प्रो3 : माइक्रोसॉट के लेटेस्टत टैबलेट सरफेस को नोटबुक कम्यूसमे टर और टैबलेट का मिश्रण कहा जा सकता है। इसमें आप डेस्केटॉप पर चलाई जाने वाली सभी एपलीकेशन्सा को चला सकते हैं। ग्राफिक्से को फिनिश देने के लिए इसमें पेन उपयोग करने का फीचर भी दिया गया है। इसमें एक ही कमी है और वो है कि आप सरफेस टैब में केवल विंडो ऐप्सों ही चला सकते हैं।

सैमसंग गैलेक्सीम टैब एस10.5 : 8.4–इंचगुणा10.5–इंच स्क्रीएन का यह ऐप एमोलेड स्क्रीएन के साथ आता है। अपने सेगमेंट में यह अकेला टैबलेट है जो इस स्क्री.न के साथ आता है। इस वजह से इसमें डिस्लेरा क्वालिटी काफी बेहतर है। इसे बनाने में उसी मटेरियल का उपयोग किया गया है, जिससे आइपैड एयर बनाया गया है। इसलिए इसे वैल्यूल फॉर मनी भी कहा जाता है।

foVkfeu dh nokb;k gkfu gS ulds lkunk;d

अक्सर यह सलाह दी जाती है कि कोई भी रोग हो विटामिन की दवा ले लो। विटामिन की दवाएं हर समय लाभदायक नहीं होती हैं। लेकिन हाल ही में हुए एक सर्वे में यह पाया गया है कि यह घातक है। ऐसे बुजुर्ग जो नियमित तौर पर विटामिन की गोलियों का सेवन कर रहे हैं उनकी मृत्यु का प्रतिशत, उनकी तुलना में काफी अधिक है जो ऐसी किसी दवा का सेवन नहीं कर रहे होते हैं। शोधकर्ताओं ने 62 से 75 साल के 1800 बुजुर्गों का सर्वेक्षण किया। इसने पाया गया कि वैसे लोग जो किसी भी तरह के विटामिन का सेवन करने वाले लोग हैं उनकी मृत्यु का प्रतिशत 26.6 है जबकि जो किसी भी तरह की विटामिन का सेवन नहीं करते उनके मृत्यु का प्रतिशत मात्र 18.1 पाया गया। शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि नियमित तौर पर विटामिन लेने वाले लोगों के मरने की संभावना 50 से 70 प्रतिशत तक बढ़ जाती है।

सारा! सच
www.sarasach.com
PRESENT
हमारीवाणी
SHOW YOUR TALENT
YOUR VOICE ON MIC
दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र
◆वर्ष : 2 ◆अंक : 7 ◆ वीरवार 12 सितम्बर से 18 सितम्बर 2019 ◆पृष्ठ:8 ◆मूल्य:3 रुपए, हिजरी 1440 R.N.I. NO. DELHIN/2018/76166

'बेटी'

कुरीतियों और कुविचारों ने,
इस समाज के ठेकेदारों ने!

बेटी से बुरा व्यवहार किया,
तो कभी इनका व्यवपार किया!

कुछ दानव दहेज के लोभी ने,
कुछ दुष्ट दुष्कर्म के रोगी ने!

मानवता को शर्मसार किया,
बेटी के इज्जत पे वार किया!

इस गन्दी सोचो से आगे आओ!
मन मस्तिष्क को स्वच्छ बनाओ!

बेटे जैसे इन्हे मान दो,
बेटी को भी सम्मान दो!

इन्हे भी बराबर अधिकार है,
इनको भी भारत से प्यार है!

हर एक क्षेत्र आजमाने को,
सीमा पर जान गवाने को!

हर एक बेटी तैयार है,
हर एक बेटी तैयार है!

प्रस्तुतिः सूरज कुमार 'मयंक'
चकहसन (बंधनपुर) मऊ
उत्तर प्रदेश

नसीब खुलता है

दर दर भटकने पर डगर डगर चलने पर
हौंसलों को बुलंद कर नसीब खुलता है।
आसानी से मिल जाए वो मंजिल नहीं,
ऐ मंजिल के राही मंजिल का रास्ता
मुश्किल से मिलता है।
रफ्ता रफ्ता चल रही है जिन्दगी,
तू भी चल संभल कर।
करके इबादत निकल कर सफर।
राह आसां नहीं तो कटने का सबर कर।
इक दिन यही राह होगी नीले गगन पर।
उड़ान तेरी भी होगी फिर देखना नजर भर।
नजर का नजरिया पल पल में बदलता है।
रख ले खामोशी को आज सजा कर।
कल आएगी सुबह चंदन से नहा कर।
टकरा जा पहाडों से तू हो के निडर।
साहस का सिपाही समस्याओं से न डरता है।
मंजिल का रास्ता मुश्किल से मिलता है।।
दीवार बहुत हैं तू पंछी बन कर।
उड़ जा स्वतंत्र इस नीले गगन पर।
वादियों का दीदार कर आसमां में शोर कर।
महका दे तेरी खुश्बू सारे संसार भर।
ऐसा पुष्प जीवन में कभी कभी खिलता है।
मंजिल का रास्ता मुश्किल से मिलता है।।

प्रस्तुति : दिनेश सेन 'शुभ'
जबलपुर मध्यप्रदेश

धर्म और विज्ञान

–रश्मि लता मिश्रा

जब जब होई धरम की हानि, बाढ़ आई असुर अधम अभिमानी...

एक तरफ तो पुराण कुछ इस तरह से धर्म की व्याख्या करते हैं। जिसमें जप ,तप, दान सेवा का बड़ा महत्व है किंतु गीता में–

यदा यदा ही धर्मस्य.....

जैसे श्लोकों के आधार पर कर्म को धर्म से भी श्रेष्ठ माना गया है और कर्म योगी को ही धार्मिक बताया गयाहै।

कोई भी धर्म को हिंदू मुस्लिम सिख इसाई सभी में अच्छी–अच्छी बातें सिखाई गई हैं किसी भी धर्म में गलत बातों के लिए कोई स्थान नहीं हैस मुस्लिम धर्म मे शराब व सूदखोरी को हराम बताया गया है।

जैन धर्म अपरिग्रह के सिध्दांत पर आधारित है,ईसाई धर्म मानव सेवा को महत्व देता है और हिन्दू धर्म इन सबके साथ ही पूजा पाठ दान व परोपकार तथा सहिष्णुता को महत्व देता है। किंतु सब अपने अपने धर्म को श्रेष्ठ बताते हुए एक दूसरे के धर्म को नीचा दिखाने की कोशिश करते हैं यही धर्म की सबसे कमजोर कड़ी है।

जो भी हो आज के बदलते सामाजिक परिवेश में धर्म के संकुचित स्वरूप या जाति विशेष हेतु पूजा–पाठ जैसी धरोहर हेतु कोई स्थान नहीं है आज का युग विज्ञान का युग है विकास का युग है।

वैज्ञानिक युग पूरी तरह प्रमाण पर आधारित है तर्क पर आधारित है विज्ञान में क्रिया की प्रतिक्रिया अवश्य होती है और विज्ञान में भावना नही तर्क को महत्व दिया जाता है जो बात या घटना

तार्किक न हो विज्ञान उसे नही मानता वह सुविधा भोगी वस्तुओं की तलाश व इनके निर्माण में सतत प्रयत्न शील रहता है उसी का परिणाम यह है जो आज हमधरती से चाँद तक पहुंच गए। नित नए भौतिक साधनों का प्रयोग हर क्षेत्र में चाहे इलेक्ट्रॉनिक विभाग हो,चिकित्सा, हो,शिक्षा या खेल जगत हो करते हैं ।इस तरह विज्ञान आधुनिक युग का भगवान है।

चाहे बात सुविधाओं की हो चाहे औद्योगिक क्रांति सामाजिक परिवर्तन विश्वस्तरीय अच्छी या बुरी घटनाएं आज सीधे–सीधे विज्ञान से जुड़ी हुई है।

चिकित्सा के क्षेत्र में नित नए आयाम स्थापित कर वह मानव जीवन की रक्षा में अपना विशेष योगदान दे रहा है। उसी तरह अन्य क्षेत्रों में आवागमन के साधन ,टीवी ,मोबाइल वन नेट के जाल में समाज में जबरदस्त क्रांति पैदा कर दी है।

पता धर्म आस्था का विषय है तो विज्ञान तर्क का वैज्ञानिक अपनी बात प्रमाण के साथ प्रस्तुत कर प्रत्यक्ष उदाहरण देता है तो धर्म पुराण, उपनिषद, महात्माओं की राह पर चलने को सही दिशा करता है।

धर्म के संकुचित दृष्टिकोण का यह भी एक निंदनीय पक्ष है कि वह धर्म विशेष के आधार पर मानवता को गौण मानने लगता है जो उचित नहीं है। उद्धरण हेतु जाति प्रथा को लिया जा सकता है। जिसकी जड़ें आज भी समाज मे फैली हुई हैंजो इंसान को इंसान से ही अलग कर देती हैतथा भेद–भाव की खाई को और भी चौड़ा कर देती हैं। अतः आधुनिक युग में संकीर्ण धार्मिक विचारों को त्याग कर इंसानियत के धर्म की बात की जाए और उसे विज्ञान का सहयोगी बनाया जाए वही उचित होगा और धर्म और विज्ञान एक दूसरे के विरोधी ना होकर पूरक बन जाएं कुछ ऐसे काम होने चाहिए मंदिर मस्जिदके झगड़ों को छोड़ ज्ञान मंदिर या खेल जगत हेतु स्टेडियम,याकोई रिसर्च सेंटर जैसी ।संस्थाओं पर ध्यान देना चाहिए जो हमारी कौमी एकता में सहायक होव वैश्विक स्तर पर हमारे गंगाजमुनी तहबीज की मिसाल भी जो विश्व को वसुधैवकुटुम्ब का पाठ पढ़ा भारत को सचमुच सच्चे योगगुरु का दर्जा दिला सके।

बेवफा

दामन पाक था मेरा फिर भी ,
मुहब्बत बदनाम हो गई ।
तेरी हूँ तेरी हूँ कहते कहते ,
वो आखिर गैर की हो गई ।
जिंदगी में आया पतझड़ ,
बहार फिर चली गई ।
गिला औरों से हम क्या करें ,
जब वफा ही साथ छोड़ गई ।
आँसू भी न निकले आँख से ,
रुलाई भी मुझसे रूठ गई ।
मधुर प्रणय था ये हमारा ,
जिसमें मिलन अधूरी रह गई ।
बने नहीं अभी सपनों के महल ,
कि प्यार की बगियाँ उजड़ गई ।
"दीनेश" भटकता रहा वादियों में ,
फूलों में फिर खुशबू कैद हो गई ।
गैर तो गैर अपने भी मुख मोड़ चले,
अपना किसे कहें दुनिया बेगानी हो गई।
प्यार नहीं कुछ आज भी ,
बेवफा ये हमको जतला गई ।

दिनेश चन्द्र प्रसाद 'दीनेश'
न्यू टाउन ,कोलकता

मार्केटिंग, एक्जिक्यूटिव, डिस्ट्रीब्यूटर तथा विज्ञापन प्रतिनिधि सम्पर्क करें

सारा सच को चाहिए मेहनती, संघर्षशील, जुझारू ब्यूरो चीफ (सभी जिला), संवाददाता

पाठकों के लिए विशेष

जो भी पाठक अच्छी कहानी, कविताएं खबर इत्यादि देगा उसे मीडिया से जुड़ने का मौका मिलेगा

विज्ञापन

दो के साथ एक फ्री | या | 30 प्रतिशत की छूट

हमारे समाचार पत्र के जरिए अपने व्यापार को बढ़ाएं या वेबसाइट पर अपनी पब्लिसिटी के लिए सम्पर्क करें

सम्पर्क करें:
91-999-000-7067
www.sarasach.com
Email : sarasach786@Gmail.com

फिल्मी संसार

इमरान हाशमी के पास फिल्मों की कमी नहीं

बॉलीवुड में किस स्पेशलिस्ट के रूप में मशहूर इमरान हाशमी 'बादशाहो' (2017) के दो साल बाद इस साल 'व्हाय चीट इंडिया' (2019) में नजर आए लेकिन पिछले काफी वक्त से नाकामी का दंश झेल रहे इमरान हाशमी की यह फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही।

बेहद मामूली शक्ल सूरत वाले इमरान हाशमी ने 'मर्डर' (2004) में सफलता का एक नया इतिहास रच दिया था। उनकी वह फिल्म सुपरहिट ब्लॉक बूस्ट साबित हुई थी। उसके बाद एक के बाद एक हिट फिल्में उनके नाम के साथ जुड़ती चली गईं।

इस कामयाबी में इमरान हाशमी की किसर बॉय वाली इमेज का खासा योगदान रहा लेकिन शादी के बाद नेक बीवी की नेक सलाह पर उन्होंने इस तरह की फिल्मों से तौबा कर ली। तभी से कामयाबी उनसे रूठी हुई है।

मलयालम फिल्म के रीमेक 'एजरा' के जरिये इमरान हाशमी ने एक बार फिर हॉरर जेनर में लौटने का फैसला किया है। मूल फिल्म के निर्देशक जयकृष्णन इसका निर्देशन करेंगे। इसके पहले इमरान हाशमी हॉरर जेनर की 'राज:द मिस्ट्री कंटीन्यूअस (2009), 'राज थ्री डी' (2012) 'एक थी डायन' (2013) और 'राज रीबूट' (2016) में नजर आए थे।

भूषण कुमार 80 और 90 के दशक की मुंबई बेस्ड क्राइम ड्रामा पर आध ाारित एक फिल्म संजय गुप्ता के निर्देशन में शुरू करने जा रहे हैं। इसमें मुंबई के एक मशहूर उद्योगपति की हत्या के लिए नेताओं पुलिस और अंडरवर्ल्ड के बीच सांठगांठ जैसी घटनाएं स्क्रीन प्ले का हिस्सा हैं। दो हीरो वाली इस फिल्म में एक पुलिस वाला तो दूसरा गैंगस्टर होगा। इमरान हाशमी के साथ जॉन अब्राहम इन किरदारों में नजर आएंगे। इस में पहली बार दिव्या खोसला कुमार लीड एक्ट्रेस होंगी। इमरान हाशमी अमिताभ बच्चन के साथ कोर्ट रूम ड्रामा वाली 'चेहरे' में अपने हिस्से की शूटिंग खत्म कर चुके हैं। अमिताभ बच्चन फिल्म में एक जज का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म में कीर्ति खरबंदा, रिया चक्रवर्ती, रघुवीर यादव अन्नू कपूर हैं। फिल्म 21 फरवरी 2020 को रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन रूमी जाफरी ने किया हैं।

इमरान हाशमी 120 से अधिक किडनेपिंग केस सुलझाने वाले, जाने माने डिटेक्टिव सूर्यकांत पाटिल की बायोपिक कर रहे हैं। हाल ही में निर्देशक विजय रत्नाकर गुट्टे की अगली फिल्म 'वायुसेना' में इमरान हाशमी को रिटायर्ड एयर कमोडोर करियादिल चेरियन कुरूविला के किरदार के लिए साइन किया गया है।

बॉलीवुड में मंदाना करीमी की वापसी

19 मई, 1988 को तेहरान (ईरान) के एक एक रूढ़िवादी परिवार में जन्मी, मंदाना करीमी का असली नाम मनिजेह करीमी है। जब वह सिर्फ 18 साल की थीं, काम की तलाश में हिन्दुस्तान आ गईं। उसके बाद उन्हें मुड़कर देखने की जरूरत महसूस नहीं हुई।

'बिग बॉस 9' के द्वारा मंदाना करीमी की एक बोल्ड और ग्लैमरस इमेज बनी। छोटे पर्दे के इस रियलिटी शो की वह सेकंड रनरअप रहीं। 'कॉमेडी नाइट्स लाइव' के पहले ऐपिसोड में मंदाना बतौर गेस्ट नजर आईं। 'स्टार प्लस' के 'इश्क बाज' में मंदाना ने नेन्सी मल्होत्रा नाम की लड़की का नेगेटिव रोल किया। 'भाग जानी' (2015) के जरिये मंदाना करीमी ने एक एक्ट्रेस के तौर पर बॉलीवुड में डेब्यू किया। इसमें वो कुणाल खेमू के अपोजिट एक बेहद ग्लैमरस किरदार में नजर आईं। फिल्म में दर्शक उनके बोल्ड अंदाज से खासे प्रभावित हुए। 'भाग जानी' (2015) के बाद वह उसी साल रनबीर कपूर की लीड रोल वाली रॉय (2015) और 'मैं और चार्ल्स' (2015) में भी नजर आईं। मंदाना जितनी खूबसूरत, ग्लैमरस और दिलकश हैं, उससे कहीं अधिक उनकी अदाकारी और अदाओं में लचक और मिठास है। उनकी मादकता में खास रंग नजर आता है। जब वह सिल्वर स्क्रीन पर आती हैं तो हॉल में बिजली सी कौंध जाती है। तीन चार फिल्में करने के साथ ही 2017 में मंदाना ने मुंबई के बिजनेसमैन गौरव गुप्ता से शादी कर एक्टिंग से दूरी बना ली लेकिन वह शादी 3 महीने भी नहीं चली। घरेलू हिंसा जैसी परिस्थितियों को सामना करने के बाद मंदाना का गौरव से तलाक हो चुका है। तलाक के बाद मंदाना एक बार फिर से काम पर वापस आ चुकी हैं।

जानिए नारी सुरक्षा कानून के बारे में

विवाहित महिलाओं के साथ पारिवारिक हिंसा, विवाहित या अविवाहित महिलाओं के साथ शारीरिक उत्पीड़न और यौन उत्पीड़न की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे मामलों में बिहार सबसे आगे है। बिहार में 59 प्रतिशत महिलाएं उत्पीड़न की शिकार हैं और 46 प्रतिशत महिलाएं मध्य प्रदेश और राजस्थान में पीड़ित हैं।

महिलाओं को घरेलू हिंसा से छुटकारा और बचाव हेतु महिला संरक्षण अधिनियम 2005 के अधीन अधिकारों के विषय में जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है जो इस प्रकार है। महिलाओं को अपने घर में जिस व्यक्ति के साथ रहती हैं, के द्वारा पीटा जाता है या धमकी दी जाती है या उत्पीड़ित की जाती है तो वे घरेलू हिंसा का शिकार है, यह माना जा सकता है।

इस घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम 2005 महिला को घरेलू हिंसा के विरूद्ध संरक्षण और सहायता का अधिकार देता है। इस अधिनियम के अधीन संरक्षण और सहायता महिला प्राप्त कर सकती है। इस घरेलू हिंसा को कई रूप में घोषित किया गया है जैसे :–

शारीरिक हिंसा :– इसके अंतर्गत मार पीट करना, थप्पड़ मारना, ठोकर मारना, दांत से काटना, लात मारना, धक्का मारना, धकेलना किसी अन्य रीति से शारीरिक पीड़ा पहुंचाना या क्षति पहुंचाना आता है।

लौंगिक हिंसा :– बलात्, लैंगिक, मैथुन, कोई अश्लील साहित्य या कोई अन्य तस्वीर या सामग्री को देखने के लिए मजबूर करना आता है। कोई व्यक्ति दुर्व्यवहार करने, अपमानित करने या नीचा दिखाने की लैंगिक प्रकृति का कोई अन्य कार्य अथवा जो महिला की वरिष्ठता का उल्लंघन करता है या कोई अन्य अस्वीकार्य लैंगिक प्रकृति का कार्य आदि इसके अंतर्गत आता है।

मौखिक और भावनात्मक हिंसा :–

अपमान करना, गालियां देना, महिला के चरित्रा और आचरण पर दोषारोपण करना, पुरूष संतान न होने के लिए अपमानित करना, दहेज इत्यादि न लाने पर अपमानित करना, नौकरी करने या छोड़ने हेतु मजबूर करने की धमकी देना, इसके अतिरिक्त अन्य मौखिक या भावनात्मक दुर्व्यवहार करना, सभी भौतिक और भावनात्मक हिंसा के अंतर्गत आता है।

आर्थिक हिंसा :– महिलाओं के बच्चों के लिए अनुरक्षण के लिए धन उपलब्ध न कराना, महिलाओं और बच्चों के लिए खाना, कपड़े, दवाईयां आदि उपलब्ध न कराना।महिला जो रोजगार करना चाहती हैं, उसे चलाने से रोकना और विध्न बाधा पैदा करना।

वेतन पारिश्रमिक आदि छीन लेना, वेतन पारिश्रमिक आदि उपभोग करने की स्वतंत्राता नहीं देना।घर से बाहर निकाल देना।

घर के किसी भाग का उपयोग करने से रोकना।

इन सभी घरेलू हिंसाओं की जानकारी के अभाव में आज भी महिलाएं चुपचाप घरों में प्रताड़ित होती रहती हैं। घरेलू हिंसा की शिकार महिला को महिला संरक्षण अधिनयम 2007 के द्वारा प्रताड़ित करने वालों पर कई धाराओं के तहत मुकदमा चलाकर महिला को अपेक्षित अधिकार दिलवाये जाते हैं।

Kumar Associates

Soliciter & Advisor (Legal)

Delhi District Court & High court

Karanjeet Kumar (Advocate)

H.O. : 133-A Krishan Kunj Extn.
Laxmi Nagar, Delhi-110092
Mob :9999839708, 8527362212

Vinod Kumar 9899317267
Varun Kumar 9212738941 9999963395

VARUN
Canvas-Company

Wholesaler of :
All Kinds of Blankets, Cotton Cloth.
Spl. in : Blankets, Plastic Tirpal, Plastic Tubes, Cotton Cloths, Tents, Car-Scooter Cover

12-A, Azad Market, Near Pul Mithai, Delhi-6
E-mail: varuncanvasco@yahoo.co.in

IPCS
Indian Pest Control Services
PRE & POST CONSTRUCTION
ANTI-TERMITE TREATMENT

Dr. P. K. Sahani
(Entomologist)

WZ-250 C, NEAR MTNL EXCHANGE
OPP. PUSA INSTITUTE INDER PURI.
NEW DELHI-110012
PH. 64522051 M. 9810437316
E-mail: pks0573@rediffmail.com
ipcs.7340@rediffmail.com

सारा सच हिंदी पाक्षिक समाचार पत्र प्राप्त करने के लिए

Subscription From / सदस्यता हेतु फार्म

नाम : .....
पता : .....
शहर : .....पिन : .....
फोन : ..... मोबाइल :.....
ईमेल: .....

समयावधि : एक वर्ष: 100/–.....तीन वर्ष : 300/– .....
पांच वर्ष : 500/–.....आजीवन : 3000/– .....

भुगतान : नकद .....डीडी/चैक.....

नोट : वर्ष एक/तीन/पांच की सदस्यता के लिए डीडी/चैक पर 50/-अतिरिक्त बैंक चार्ज जोड़कर देना होगा।

फार्म साफ साफ भरकर सारा सच अपडेट के नाम डीडी/चैक के फार्म के साथ निम्न पते पर भेजे या कैश आफिस में जमा कराएं, फार्म आप www.sarasach.com/join-us/ से कापी कर सकते हैं।

पता : 12/596, गली नंबर-2, वेस्ट गुरू अंगद नगर, नियर ज्ञान कुंज कालोनी, लक्ष्मी नगर, दिल्ली-92
ई-मेल & sarasach786@gmail.com, info@sarasach.com

मोबाइल : 9990007067

दिल्लीवालों को नए साल पर एक हजार मोहल्ला क्लीनिक का तोहफा

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव 2020 से पहले स्वास्थ्य सेवाओं में और सुधार करने के लिए दिल्ली सरकार ने एक और बड़ा ऐलान किया है। सरकार का प्रयास दिल्लीवालों को नए साल पर एक हजार मोहल्ला क्लीनिक का तोहफा देने का है। इनका निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। सरकार चाहती है कि प्रत्येक वर्ग किलोमीटर के दायरे में एक मोहल्ला क्लीनिक हो, ताकि अपने घर से दस मिनट में लोग पहुंच सकें। यह जानकारी स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने दिल्ली सचिवालय में पत्रकारों को दी। जैन ने कहा कि फिलहाल दिल्ली में 201 मोहल्ला क्लीनिक हैं। इन क्लीनिक में इलाज के लिए सबसे अधिक महिलाएं पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा कि पूरी दिल्ली का भौगोलिक क्षेत्र 1500 वर्ग किलोमीटर का है।

इसमें एक हजार वर्ग किलोमीटर वाला क्षेत्रा आबादी का है। सरकार की कोशिश है कि प्रत्येक वर्ग किलोमीटर में एक मोहल्ला क्लीनिक बने। इस पर तेजी से म चल रहा है।

किराए की जमीन पर भी निर्माण होंगे स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने बताया कि एक हजार मोहल्ला क्लीनिक में से 500 क्लीनिक को किराए पर जमीन लेकर चलाया जाएगा।

इससे क्लीनिक के निर्माण में जमीन संबंधी दिक्कतें नहीं होंगी। डीडीए और नगर निगम की तरपफ से सूई के बराबर भी जमीन नहीं मिली है। हमें चुनौती दी गई थी कि मोहल्ला क्लीनिक बनाकर दिखाएं। हम इसे कर दिखाएंगे।

अभी फिलहाल दिल्ली में 20 मोहल्ला क्लीनिक दो शिफ्रट में चल रहे हैं। इनकी संख्या को बढ़ाकर 50 किया जाएगा।

मंत्री ने बताया कि औसतन एक मोहल्ला क्लीनिक में रोज 125 मरीज पहुंचते हैं। इनमें महिलाएं 50 फीसदी से अधिक हैं। वहीं, सरकार ने एक साल के अंदर पॉलीक्लीनिक की संख्या को 125 करने का लक्ष्य रखा है। फिलहाल दिल्ली में 26 पॉलीक्लीनिक हैं और 94 पॉलीक्लीनिक के निर्माण का कार्य चल रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने दावा किया कि मोहल्ला क्लीनिक के खुलने से झोला छाप डॉक्टर गायब हो रहे हैं।

कन्हैया मामले में बीजेपी सांसद ने की दिल्ली सरकार की आलोचना

नई दिल्ली बीजेपी की राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं नई दिल्ली से सांसद मीनाक्षी लेखी ने देशद्रोह मामले में आरोपी कन्हैया कुमार और उसके साथियों पर मुकदमा चलाने की अनुमति न देने पर दिल्ली सरकार की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि मामले में 40 से अधिक सबूत पेश हो चुके हैं।

लेखी ने आगे कहा कि न्यायालय ने केस चलाने को लेकर दिल्ली सरकार से अनुमति मांगने की बात कही, लेकिन दिल्ली सरकार जानबूझकर स्वार्थपरक राजनीति करते हुए पुलिस और न्यायालय के काम को बाधित कर रही है।

उन्होंने कहा कि देश के लोगों का खून खौल रहा है। दिल्ली सरकार के गृह मंत्रालय ने यह कहा था कि कन्हैया कुमार व अन्य के खिलाफ देशद्रोह के कोई सबूत नहीं मिले हैं, जबकि दिल्ली पुलिस ने सबूतों व तथ्यों के आधार पर चार्जशीट तैयार कर न्यायालय के सामने 40 से अधिक सबूत पेश किए हैं।

हैदराबाद से फॉरेंसिक जांच के बाद आई वीडियो में प्रत्यक्ष तौर पर दिख रहा है कि कन्हैया कुमार और उनके साथी देश विरोधी नारे लगा रहे हैं। लेकिन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सरकार ने इस मामले में केस चलाने की अनुमति देने से इंकार कर दिया।

एक्टर से नेता बनीं उर्मिला मातोंडकर ने छोड़ी कांग्रेस

नई दिल्ली। अभिनेता से नेता बने उर्मिला मातोंडकर ने कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कांग्रेस पार्टी की टिकट पर उत्तरी मुंबई लोकसभा चुनाव लड़ा था लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा है कि मेरी राजनीतिक और सामाजिक संवेदनाएं मुंबई कांग्रेस में बड़े लक्ष्य पर काम करने की बजाय क्षुद्र अंदरूनी राजनीति से लड़ने के लिए पार्टी में निहित स्वार्थों की अनुमति देने से इनकार करती हैं।

आपको बता दें कि मुंबई नॉर्थ लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार फिल्म अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर का जादू नहीं चल पाया था। उनको भाजपा उम्मीदवार गोपाल शेट्टी ने हराया था। इस सीट पर 18 उम्मीदवार चुनावी मैदान में थे। इस लोकसभा सीट पर चौथे चरण में 29 अप्रैल को वोटिंग हुई थी। उर्मिला ने कहा था कि सक्रिय राजनीति में यह मेरा पहला कदम है। मैं राजनीति में ग्लैमर के कारण नहीं आई हूं। मैं विचारधारा के कारण कांग्रेस में आई हूं। आज अभिव्यक्ति की आजादी पर सवाल खड़े हो गए हैं। बेरोजगारी काफी बढ़ गई है। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व के बारे में उन्होंने कहा, " देश को सबको साथ में ले कर चलने वाला नेता चाहिए, ऐसा नेता जो भेदभाव नहीं करता हो। राहुल देश के एकमात्र नेता है जो सबको साथ लेकर चल सकते है।"

रेलवे तय करेगा टिकट के दाम, रेल के किराए पर नहीं चलेगी प्राइवेट ऑपरेटर्स की मनमर्जी

नई दिल्ली। देश की पहली प्राइवेट ट्रेन का परिचालन लखनऊ से नई दिल्ली के बीच अक्टूबर के पहले सप्ताह में शुरू होने जा रहा है। इसी महीने त्योहारों का सीजन भी शुरू होने जा रहा है।

ऐसे में भारतीय रेलवे ने पहले ही साफ कर दिया है कि प्राइवेट ट्रेनों में त्योहारों के दौरान मांग बढ़ने पर टिकटों की कीमत को नियंत्रित करने के लिए रेल विकास प्राधिकरण (आरडीए) एक रेगुलेटर की व्यवस्था करेगी। इस रेगुलेटर का कार्य प्राइवेट ट्रेन में टिकटों की कीमत और अन्य चीजों पर रहेगा, ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की कोई असुविधा न हो।

रेल विकास प्राधिकरण (आरडीए) को निजी ट्रेन ऑपरेटर्स के लिए सीमा या दिशानिर्देशों को परिभाषित करने के लिए नियामक के रूप में तय किया जाएगा। रेलवे रेगुलेटर ट्रेन का संचालन करने वाले निजी ऑपरेटर्स के लिए किराए पर एक ऊपरी कैप भी लगाएंगे। इसका फायदा यह होगा कि निजी ऑपरेटर यात्रियों से मांग बढ़ने पर भी बहुत ज्यादा दाम टिकट का नहीं ले सकेंगे।

बताया जा रहा है कि रेल मंत्रालय अब आरडीए की भूमिका को फिर से परिभाषित करने के लिए काम कर रहा है, जिसमें निजी ऑपरेटर्स के लिए नियम और शर्तें होंगी। रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि अभी किराए और अन्य चीजों को लेकर नियम तय नहीं हुए हैं।

हालांकि, इनको लेकर बड़ी तेजी से काम चल रहा है। उन्होंने बताया कि कई उद्योगपतियों ने प्राइवेट ट्रेन ऑपरेट करने की इच्छा जाहिर की है। हालांकि, उन्होंने किसी का नाम नहीं बताया, लेकिन यह जरूर कहा कि उचित और पारदर्शी तरीके से निजी ऑपरेटर्स के हाथों में ट्रेन परिचालन की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

रेलवे बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक तेजस क्लास ट्रेन के लिए रेलमंत्री पीयूष गोयल को प्रस्ताव भेज दिया गया है। बोर्ड चार अक्टूबर को नवरात्र पर इस ट्रेन को चलाना चाहता है। यदि मंत्री ने पांच अक्टूबर का समय दिया तो उसी के हिसाब से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी समय मांगा जाएगा।

उत्तर प्रदेश सरकार का सहयोग भी तेजस क्लास ट्रेन की ब्रांडिंग में मिलेगा। बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक इस ट्रेन का किराया तय हो गया है। नौ सितंबर को दिल्ली में होने वाली बैठक में किराये को अंतिम स्वी. ति देने के साथ ही टिकटिंग की व्यवस्था, खान–पान, टीटीई सहित सभी पहलुओं को आइआरसीटीसी के अधिकारी अंतिम रूप दे देंगे।

देशद्रोह के आरोप में घिरी छात्रा शेहला रशीद को दिल्ली की कोर्ट से बड़ी राहत

नई दिल्ली। सेना के खिलाफ भ्रम फैलाने के आरोप में घिरी जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी की पूर्व छात्रा शेहला रशीद को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान अंतरिम राहत दी है। ऐसे में अब अगली सुनवाई तक शहला की गिरतारी नहीं होगी।

यहां पर बता दें कि शेहला के खिलाफ देशद्रोह का केस पिछले सप्ताह तीन सितंबर को दर्ज किया गया है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने आईपीसी की धारा 124 ।, 153 ।, 153, 504 और 505 के तहत मामला दर्ज किया है। सुप्रीम कोर्ट के वकील अलख आलोक श्रीवास्तव की शिकायत पर ये मुकदमा दर्ज किया गया है।

शेहला रशीद पर आरोप है कि 18 अगस्त को उन्होंने जम्मू–कश्मीर और सेना को लेकर एक के बाद एक कई ट्वीट किये थे।

शेहला ने भारतीय सेना पर कश्मीर के लोगों के साथ अत्याचार करने का आरोप लगाया था। सेना ने शेहला के आरोपों का खंडन करते हुए इसे झूठ करार दिया था।

आरोप है कि शेहला के इस ट्वीट को लेकर अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भारत और सेना के खिलाफ खबर चली। ऐसे में देश और सेना की छवि को धूमिल करने की कोशिश की गई है। शिकायत में कहा गया है कि शेहला रशीद ने हिंसा भड़काने के इरादे से जानबूझकर देश के खिलाफ खबरें फैलाई। आरोप

है कि शेहला ने ट्वीट से कश्मीर में अशांति पैदा करने की कोशिश की। अलख आलोक श्रीवास्तव ने पुलिस से मांग की थी कि शेहला ने भारतीय सेना और सरकार के खिलाफ झूठी खबरें फैलाई, इसलिए उनके खिलाफ मामला दर्ज करके गिरतार करना चाहिए।

शेहला रसीद की ट्वीट के बाद जम्मू–कश्मीर सरकार ने भी बयान जारी कर आरोपों का खंडन किया था। जम्मू–कश्मीर की सूचना जनसंपर्क विभाग की निदेशक सईद सेहरिश असगर ने स्पष्ट किया था कि घाटी में कानून व्यवस्था से संबंधित कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है।

18 अगस्त को शेहला रशीद ने कश्मीर के मौजूदा हालात को लेकर 10 ट्वीट किए थे। इन ट्वीट्स में दावा किया गया था कि वहां हालात बेहद खराब है। शेहला रशीद इन दावों को आधार बनाते हुए अंतरराष्ट्रीय मीडिया में सेना और सरकार के खिलाफ खबरें चली थीं।

इसके बाद सुप्रीम कोर्ट के वकील अलख आलोक श्रीवास्तव ने शेहला रशीद के खिलाफ आपराधिक शिकायत कराई थी। कथित तौर पर भारतीय सेना और भारत सरकार के खिलाफ फर्जी खबर फैलाने के आरोप में उनकी गिरतारी की मांग की गई है।

इससे पहले भी शेहला राशिद पर विवादित बयान देने के आरोप लगते रहे हैं। फरवरी 2019 में उन्होंने देहरादून में कश्मीरी छात्रों को बंधक बनाने को लेकर उन्होंने कथित तौर पर झूठी टिप्पणी की थी। इस बयान के बाद देहरादून पुलिस ने शेहला के खिलाफ सांप्रदायिक सौहार्द फैलाने और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की धाराओं में केस दर्ज किया गया था।

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक व संपादक **सलीम अहमद** द्वारा आला प्रिंटिंग प्रैस, 3636, कटरा दीना बेग, लाल कुआँ, दिल्ली–110006 से मुद्रित व 12/596, गली नंबर–2, वेस्ट गुरू अंगद नगर, लक्ष्मी नगर, दिल्ली–92 से प्रकाशित
संपादक : **सलीम अहमद**. सारा सच साप्ताहिक समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों व समाचारों की सहमति आवश्यक नहीं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र दिल्ली होगा।